

बाबूलाल मरांडी का

भव्य स्वागत

सत्वरवा। ज्ञारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी का राज्यों से मेंदोनगर जन के क्रम सत्वरवा में रविवार को भाजपा कार्यकार्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान लोगों ने श्री मरांडी को अंग वस्त्र व बुके देकर सम्मानित किया। पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी ने बारी-बारी से कार्यकार्ताओं के परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि 11 अप्रैल को ज्ञारखंड बचाओ, हेमत हटाओ के नारों के साथ सचिवालय का घेरवा किया जाएगा। इसमें ज्ञारखंड के लाखों कार्यकार्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञारखंड में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, प्रखण्ड से लेकर जिला तक बिना पैसे का काम नहीं होता। सीओ, बीड़ीओ भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं, जनता त्रस्त है। गरीब जनता का कोई काम बिना पैसे का नहीं हो रहा है। इस मौके पर समाजिक कार्यकार्ता आशीष कुमार सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशावाहा, अजय उरांव, अशोक यादव, धीरज सिंह, उदय सिंह, कुलेश्वर सिंह, रामनाथ पाठक, सुरेंद्र प्रसाद, सुशील सिन्हा, मनोज यादव, रामनाथ पाठक, अंतर्द्वंद्वी दर्जनों कार्यकार्ता उपस्थित थे।

बोरिंग एसोसिएशन ने शुल्क बढ़ाने का लिया निर्णय

मेदिनीनगर। शहर के बिसफुटा पुल स्थित बैठक में बोरिंग एसोसिएशन पलामू, कोर कमेटी की बैठक विधिन सिंह की अध्यक्षता में की गई। बैठक में सभी बोरिंग वाहन के मालिकों ने सर्वसम्मिति से फैसला लिया कि शहर सहित ग्रामीण इलाकों में बोरिंग का दर 10 रुपये प्रति फिल लिया जायेगा। मौके पर उपस्थित अध्यक्ष विधिन सिंह ने कहा कि हाल के दिनों में महांगी को देखते हुए। लेकर चार्ज बढ़ गया है। डीजल का दाम भी असामान्य छू रहा है। जिसके कारण बोरिंग एसोसिएशन बढ़ाया गया है। बैठक में शामिल रियान कुमार सिंह, अजय सिन्हा, बैंजनाथ कुमार कल्लू, नवन किशोर राय, संतोष गुप्ता, चंद्रशेखर सिंह, वरेंद्र गुप्ता, नरेंद्र मेहता, विनोद विहारी शर्मा, दिनेश गुप्ता, विक्री चंद्रवंशी, विकास कुमार सिंह (विपु सिंह) सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मसीही विश्वासियों ने कब्रिस्तान में पूर्वजों को किया याद

मेदिनीनगर। प्रभु यीशु के उठने की खुशी में शहर के यूनियन चर्च व सीएनआई चर्च से जुड़े मसीही विश्वासियों ने अपने पूर्वजों की कब्र पर फूलमाला अर्पित की और मोमबती लालकर प्रार्थना की। पादरी प्रभु जंजन रुपये व संदेश खालों के नदीविधि अनुशासन पर्व प्रार्थना संपन्न कराया। मसीही विश्वासियों ने प्रभु यीशु के उठने की खुशी में गीत गया। मौके पर सुनील विर्का, कल्पना तिमाही, वार्ड पार्षद हिरामणि, लरीस कुजूर, पवन नाग, शीता कच्चप, पी कुमार, यूनियन चर्च के डॉ. नीलम हारो, डॉ. डोरा, एम एम कुमार, यू जे सोनवर अनुराग, अनिल, आदि जौदूद थे। इस अवसर पर चर्च एवं कब्रिस्तान को सजाया गया था।

नीरज वस्त्रालय का हुआ शुभारम्भ

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद बाजार में रविवार का नीरज वस्त्रालय का शुभारम्भ यात्रा गया। इसका उद्घाटन प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गया जोन की राजेशगीनी बोके, कंचन दीपी व राजद के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक ने संजय कुमार सिंह यादव ने कहा कि नीरज वस्त्रालय का

नवीन मेल संचादादता

मेदिनीनगर। पासका पर्व के अवसर पर रेडमा के सीएनआई चर्च एवं स्टेशन रोड स्थित यूनियन चर्च में विशेष पूजा-अनुष्ठान व अराधना हुई। सीएनआई चर्च के पादरी संजोत खालों को देखरेख में पूजा-अनुष्ठान हुआ। मसीही विश्वासियों ने प्रभु यीशु में गीत गया। मौके पर पी कुमार, कल्पना तिमाही, पवन नाग, शीता तिमाही, हर्ष लाल कच्चप, लौरेंस कुजर, आदि मौजूद थे। इधर, यूनियन चर्च के पादरी प्रभु जंजन मसीह को देखरेख में जागरण व प्रार्थना सभा हुई। इस दौरान मिस्सा पूजा अनुष्ठान हुआ। मुख्य अनुष्ठान विश्वासियों ने रविवार को पासका पर्व मनाया। डालटनगंज धर्मप्रतांत के बिशप थेंडेवर मस्क्रेनहस की देखरेख में जागरण व प्रार्थना सभा हुई। मुख्य अनुष्ठान विश्वासियों ने प्रभु यीशु को उठाना चाहा। अधार है, हर इसान पाप एवं मृत्यु से छुटकारा प्राप्त करना।

यूनियन व सीएनआई चर्च में हुआ पूजा-अनुष्ठान

से बचते हुए समाज के दबे कुचले लोगों की सेवा में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का सदेश दिया। इसी तरह जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शास्ति की महारानी गिरजाघर में निवारण रात 10.30बजे से जागरण शुरू हुआ, जो देर रात कीरी 1.30 बजे तक चला। प्रभु यीशु के उठने की खुशी में गीत गया। मौके पर पी कुमार, कल्पना तिमाही, पवन नाग यादव एवं दीपी कुमार तिमाही, हर्ष लाल कच्चप, लौरेंस कुजर, आदि मौजूद थे। इधर, यूनियन चर्च के पादरी प्रभु जंजन मसीह को उठने की ऊंचाई से शरीर में गीत गया। मौके पर पी कुमार, कल्पना तिमाही, पवन नाग यादव एवं दीपी कुमार तिमाही, हर्ष लाल कच्चप, लौरेंस कुजर, आदि मौजूद थे।



संकात है ताकि सभी जगह न्याय, शांति, सुकृति विशेष विश्वासियों ने प्रभु यीशु को उठाना चाहा। अधार है, हर इसान पाप एवं मृत्यु से छुटकारा प्राप्त करना।

प्रकाश डाला। मौके पर फारद माइकल कुजर, प्रदीप बाखला, विनोद केकेट्टा, अमरदीप केरकेट्टा, सेवरिस्ट्यन, अमित खाखा, अरविंद मुंदा आदि पूजा अनुष्ठान

संपन्न करने में सक्रिय रहे। रविवार की सुबह सात बजे से पासका पर्व पर चर्च अराधना शुरू हुई। मुख्य अनुष्ठान फारद माइकल कुजर की देखरेख में पूजा

मौजूद थे।

हेमत सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह फेल



नवीन मेल संचादादता घेराव किया जायेगा और सरकार को उडाइ फेंकने का कार्य भजाया पार्टी अध्यक्ष के द्वारा एसोसिएशन पलामू की इकाई के महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मेदिनीनगर परिसदन भवन में की गई। बैठक की अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने की वही संचालन महासंघिचर नितेश तिवारी ने किया। बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कैंसे मजबूती प्रदान किया जाए, इसपर चर्च की गई। संगठन में कोष गठन को लेकर ज्ञारखंड

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन पलामू के नाम से बैठक अकाउंट खुलावाने, प्रत्येक बैठक में सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि की बैठक में शामिल होने पर जोर दिया गया, साथ ही लागतार तीन बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागरूक करना। वही 1 अप्रैल में बैठक में धनावाद में होने वाले प्रोटोकॉल संरीय संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागरूक करना। वही 1 अप्रैल में बैठक में धनावाद में होने वाले ज्ञारखंड एसोसिएशन पलामू के नाम से बैठक अकाउंट खुलावाने, प्रत्येक बैठक में सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि की बैठक में शामिल होने पर जोर दिया गया, साथ ही लागतार तीन बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागरूक करना। वही 1 अप्रैल में बैठक में धनावाद में होने वाले ज्ञारखंड एसोसिएशन पलामू के नाम से बैठक अकाउंट खुलावाने, प्रत्येक बैठक में सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि की बैठक में शामिल होने पर जोर दिया गया, साथ ही लागतार तीन बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागरूक करना। वही 1 अप्रैल में बैठक में धनावाद में होने वाले ज्ञारखंड एसोसिएशन पलामू के नाम से बैठक अकाउंट खुलावाने, प्रत्येक बैठक में सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि की बैठक में शामिल होने पर जोर दिया गया, साथ ही लागतार तीन बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागरूक करना। वही 1 अप्रैल में बैठक में धनावाद में होने वाले ज्ञारखंड एसोसिएशन पलामू के नाम से बैठक अकाउंट खुलावाने, प्रत्येक बैठक में सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि की बैठक में शामिल होने पर जोर दिया गया, साथ ही लागतार तीन बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागरूक करना। वही 1 अप्रैल में बैठक में धनावाद में होने वाले ज्ञारखंड एसोसिएशन पलामू के नाम से बैठक अकाउंट खुलावाने, प्रत्येक बैठक में सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि की बैठक में शामिल होने पर जोर दिया गया, साथ ही लागतार तीन बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागरूक करना। वही 1 अप्रैल में बैठक में धनावाद में होने वाले ज्ञारखंड एसोसिएशन पलामू के नाम से बैठक अकाउंट खुलावाने, प्रत्येक बैठक में सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि की बैठक में शामिल होने पर जोर दिया गया, साथ ही लागतार तीन बैठक में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में प्रभु यीशु रूप से संगठन के कार्यक्रम में सभी सदस्यों के शामिल होने, संगठन को स्पॉर्टिंग नामों द्वारा जागर

विपक्षी एका

शरद पवार को मराठा क्षत्रप यूं ही नहीं कहा जाता है। वह भारी-भरकम शब्दों का इस्तेमाल करते हैं और उनके हर लफज में गृह सियासी अर्थ छिपे रहते हैं। दो दिन उनकी एक टिप्पणी ने विपक्ष का बांधाधार कर दिया। इतने दिनों से जिस विपक्षी एका के लिए नीतीश से लेकर तमाम लोग चाय पी रहे थे, अपने आपको को एक चेहरे के रूप में प्रकट करने की कोशिश में लगे हुए थे, पवार की एक टिप्पणी ने सभी को धराशायी कर दिया। पवार ने सिर्फ दो बातें कहीं: पहली यह कि अडाणी-अंबानी के देश के प्रति योगदान को याद किया जाना चाहिए और दूसरी यह कि सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस ही अडाणी मामले में बेहतरीन काम कर सकेंगे। इन दो पर्कियों ने विपक्षी एका की हवा निकाल कर रख दी। विपक्षी नेताओं की सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि वे किसी भी सूरत में एक साथ, खास कर कांग्रेस के साथ आने को तैयार नहीं हैं। राजद के लालू हों या फिर जदयू के नीतीश, केसीआर हों या शरद पवार या फिर उद्घव ठाकरे हों या अखिलेश, इन्हें कांग्रेस स्वीकार्य नहीं है। खास कर बसपा को रत्ती भर नहीं। दरअसल, आम आदमी पार्टी से लगायत टीएमसी हो या फिर द्रुमुक, ये कांग्रेस के विरोध पर ही अपनी सियासी दुकानदारी चला रहे हैं। आपको भूलना नहीं चाहिए कि आज से एक दशक पहले किस भाषा का इस्तेमाल करते हुए अरविंद केरिवाल ने कांग्रेस के दर्जनों सांसदों को करण आने की भी चर्चा चलती रहती है। अभी फिलहाल विपक्ष के ऐसे 19 दल सामने आये हैं जिनके एक साथ आने की संभावना है। चुनाव आते आते इसमें एकाध दलों के बिछड़ने और जुड़ने की संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। इस बीच एक सवाल यह है कि यह ‘समान विचारधारा’ है क्या! अभी तक विपक्षी दलों के मंच को लेकर यह राय नहीं बन पाई है कि इसमें कांग्रेस की भूमिका क्या हो? बताने की जरूरत नहीं कि गैर कांग्रेस विपक्षी दलों में कांग्रेस को लेकर एक राय नहीं है। इस तरह ‘समान विचारधारा’ का मतलब जहां तक मैं समझ पा रहा हूं, वह मेढ़कों का ऐसा झुंड है जिसे एक पलड़े में एक साथ रख पाना मुश्किल ही नहीं न मुमकिन है। आज के राजनीतिक हालात में भाजपा की यही सबसे बड़ी ताकत है। इस ताकत के सामने भला मेढ़कों का यह झुंड कहां टिक पायेगा? ऐसे में फिर एक सवाल सामने है कि अकेले कांग्रेस क्या कर पायेगी? एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शरदीयी पार्टी के जेपीमी की

नंबर एक का खिताब दे दिया था। ऐसे में आज की तारीख में अगर आप कांग्रेस के साथ भी आना चाहे तो न तो आप के वर्कर और न ही कांग्रेस के वर्कर इसे पचा पाएंगे। ऐसे ही, टीएमसी के बनने का कारण भी कांग्रेस के प्रति नकारात्मकता और असंतोष की ही भावना थी। अन्यथा, जिस कांग्रेस का झंडा ढोती हुई ममता बनर्जी के शरीर के प्रायः अंगों को वामपंथी सरकार की पुलिस ने चोटिल किया, वह भला तृणमूल कांग्रेस बनानी ही क्यों? यह सियासत है और इसमें किसी का कोई इमान-धर्म नहीं होता। सभी लोग अपना-अपना फायदा देखते हैं। आपने महसूस किया होगा कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में मायावती पहले से ही सीधीआई और ईडी के फेरे में फंसी हुई हैं। लिहाजा, तमाम दिक्कतों के बावजूद वह केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ कुछ नहीं बोलती। बोलने के लिए नीतीश बोलते रहे हैं पर इन दिनों वह भी चुप हैं। वह पलटने में भी माहिर हैं। राजद के लोग बोलते हैं पर एक राज्य से बाहर उनके बोलने और न बोलने का कोई अर्थ नहीं। शरद पवार भी एक दौर में संघे या परोक्ष तरीके से मोदी पर निशाना साधते रहे पर उन्होंने भी अब सारे तीर तरकश में रख लिए हैं। उनके भतीजे, अजीत पवार जरूर एक कदम आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मोदी सरकार की मुक्कठं से तारीफ कर दी। उनकी तारीफ के अलग-अलग अर्थ लगाए जा रहे हैं और आइंदा भी लगाए जाते रहेंगे। दरअसल, विपक्ष का ढोल अभी बना ही नहीं है लेकिन उसे बजाने वाले कई लोग आगे आ गए हैं। विपक्षी एका की बात तो जरूर हो रही है पर ऐसा हो पाएगा, यह फिलहाल तो मुश्किल ही लग रहा है क्योंकि पवार के एक बयान से जब विपक्ष बगलं झांकने लगा है तो अब तो पवार और उनके भतीजे भी प्रधानमंत्री की तारीफ करने में पाठे नहीं रहे। फिर इस विपक्षी एका की कमान को कौन संभालेगा? और, अगर संभाल भी लिया तो इस बात की क्या गारंटी है कि उसे अमली जामा पहना ही दिया जाएगा। वैसे भी, विपक्ष जिनके विरुद्ध लाम्बंदी की कोशिश कर रहा है, वो तो हाथ पर हाथ धरे बैठेंगे नहीं। भाजपा एक बार फिर से आक्रामक तेवर अपनाने जा रही है। आने वाले दिनों में सियासी घटनाक्रम तेजी से बदलने की उम्मीद है।

महात्मा गांधी से मोदी तक रेडियो का अभिनव प्रयोग

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेपेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखण्ड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर 2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नड़ दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रेपेट्रोल पम्प के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-

मनष्य जब पहले बार किसी से मिलता है तो उसके उस रूप और स्थिति को स्वीकार कर लेता है। उसके पश्चात उसके विकास और परिवर्तित आचरण को स्वीकार करना नहीं चाहता। जब किसी ऐसे व्यक्ति का महत्व स्वीकार करने का अवसर आता है तो उसे स्वीकार करने के स्थान पर वह उससे ईर्ष्या करने लगता है। यहीं तक रहे तो भी ठीक है, किंतु जब वह इसी कारण से किसी का शत्रु हो जाए और उसके प्राणों का हरण करना चाहे तो वह अधर्म और अपराध की ओर झांक जाता है... तब उसका प्रतिशोध करना पड़ता है। -ठाकर जी

एकसमान विचारधारा ही विपक्षी एकता में बड़ी बाधा



यशादा श्रावस्ति

मुश्किल है। लेकिन ऐसा होगा, इसलिए कि कुछ न कुछ विपक्षी दलों के साथ कांग्रेस का गठबंधन तय है ऐसे में टिकटों के बंटवारे को लेकर मुश्किलें भी तय हैं। अचरज की बात है कि कारण जो भी हो, कांग्रेस में टिकट को लेकर लाइन अभी भी लंबी रहती है, ऐसे में तमाम खास नेताओं के टिकट पर ग्रहण भी तय है फिर वे क्या करेंगे, जाहिर है कांग्रेस पर बड़ा से बड़ा तोहमत लगायेंगे और दूसरी पार्टी में दखिल हो जायेंगे। इधर विपक्षी एकता को लेकर गैर कांग्रेस दलों में कांग्रेस को लेकर असमंजस दूसरे 'समान विचारधारा' की अपनी अपनी परिभाषा ! इन सब हालातों को देख कह पाना मुश्किल है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस खुद को कहां खड़ा पायेगी? फिर भी आशा की एक किरण कश्मीर से आई है जहां विपक्षी एकता को लेकर फारुख अब्दुल्ला ने कहा है कि उम्मीद रखिये कि भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का एक मजबूत मोर्चा बनेगा, जरुर बनेगा! 2024 के लोकसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच एक ऐसे गैर कांग्रेस विपक्षी मोर्चा के प्रसव की भी चर्चा है जो इस निर्णय को लेकर कंप्यूजन है कि वह चुनाव के दरम्यान किसके साथ हो? बताने की जरूरत नहीं है कि विपक्षी दलों के नेतृत्व के कुछ ऐसे चेहरे हैं जिन्होंने सत्ता में रहकर भारी संपत्ति बनाई है। कुछ चेहरे ऐसे भी हैं, कहने को उनके आगे पीछे भले न कोई हो लेकिन सत्ता में रहते उन्होंने भाई भतीजे को मालामाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जाहिर है आज की राजनीति के दौर में जब सत्ता के लिए ईडी, सीबीआई, आईटी का इस्तेमाल किया जा रहा हो तब ऐसे लोग सत्ता के खिलाफ किसी गठबंधन के साथ खुलकर कैसे आ सकते हैं? ऐसे लोगों को चूकि जनता के समक्ष अपनी छवि भी चमकाये रखना है इसलिए यदा कदा, विपक्षी गठबंधन का राग अलापते रहते रहते हैं।

श्रीराधा और श्रीकृष्ण के अंग से प्रकट हुई ब्रह्मद्रव- स्वरूपिणी गंगा इस समय एक देवी के रूप में सुशेषित है। प्रभो ! आप से मेरी प्रार्थना है कि आप सुरेश्वरी गंगा को अपनी पत्नी बना लीजिए। सभी पुरुष प्रकृति से उत्पन्न हुए हैं और स्त्रियां भी उसकी कला हैं। केवल आप भगवान विष्णु ही प्रकृति से परे निर्गुण ब्रह्म हैं। परपूर्णतम् श्रीकृष्ण स्वयं दो भागों में विभक्त हुए। आधे से तो दो भूजाधी श्रीकृष्ण बने रहे और उनका आधा अंग आप चतुर्भुज श्रीहरि के रूप में प्रकट हो गया। इसी प्रकार श्रीकृष्ण के वामांग से उत्पन्न हुई राधा भी दो रूपों में परिणित हुई। दाहिने अंश से वे स्वयं रही और बायें अंश से लक्ष्मी का प्रकट्य हुआ। अतः ये गंगा आपको ही वरण करना चाहती है क्योंकि आपके महाभाग ब्रह्म ने गंगा को भगवान श्रीविष्णु के पास बैठा दिया। फिर स्वयं श्रीहरि ने विवाह के नियमानुसार गंगा को ग्रहण कर लिया और वे उसके प्रियतम पति बन गए। जो गंगा पृथ्वी पर पद्धार चुकी की थी वह भी समय अनुसार अपने उस स्थान पर पुनः आ गई। भगवान के चरण कमलों से प्रकट होने के कारण गंगा जी विष्णुपदी नाम से प्रसिद्ध हुई। तब से गंगा मां को विष्णुपदी नाम से जाना जाने लगा। श्रीनारायण जी बोले - विष्णु जी के सानिध्य में रहने वाली यही गंगा और सरस्वती अभिशप्त होकर भारत में नदी रूप में बहती है। इन नदियों का सेवन करने वाले इस जन्म में गुणी और विद्वान बनते हैं तथा मरणपरान्त बैकृष्ण प्राप्त करते हैं। प्रतिदिन गंगा में स्नान करने वाला गर्भवास के संकट से भी मुक्त हो जाता है। श्रीनारायण के इस कथन को सुनकर नारद जी ने अपनी उत्सुकता न रोक पाते हुए पूछा- देनाँ दिव्य देवियों गंगा और सरस्वती का विवाद किस कारण से हुआ यह आप मुझे सुनाने की कृपा करें।

गुलाम नबी आजाद और
ज्योतिरादित्य सिंधिया
कांग्रेस के सत्ता में रहने तक
मलाईदार पदों पर रहे हैं
और अब जब कांग्रेस अपने
वजूद के लिए लड़ रही है
तो गुलाम नबी आजाद को
कांग्रेस ढूबती जहाज दिख
रही है।

— 5 —

की विचारधारा ही देश विरोधी दिखने लगी। भाजपा ने जिस तरह कांग्रेस पर कांग्रेसी तीर का इस्तेमाल शुरू किया है, उससे ऐसा लगता है कि आने वाले दिनों में भाजपा कांग्रेस छोड़ भाजपा में गये आरपीएन सिंह, डा. संजय सिंह, जितन प्रसाद, जगदीवका पाल, राज कुमारी रत्ना सिंह, राय बरेली की अदिति सिंह समेत सबके सब पूर्व कांग्रेसियों को राहुल गांधी के खिलाफ उतार सकती है। यहां एक बात गौर करने की है कि कांग्रेस के पराभव काल में जितने भी नेता कांग्रेस छोड़ भाजपा में गये हैं सबके सब राजा रजवाड़ परिवारों से रहे हैं और ये सब बिना सत्ता के नहीं रह सकते। इन परिवारों के राजनीति में आने की मंशा अपनी चल अचल संपत्तियों की सुरक्षा

रहते वक्त ज्यादा तर राज्यसभा में रहे और इस दौरान शायद ही कोई महत्वपूर्ण मंत्रालय हो जिसकी शोभा ये न बढ़ाये हों। ईंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के भी करीब रहे। गांधी परिवार से जुड़ा ऐसा शख्स यदि यह कहे कि कांग्रेस दूबती जहाज है तो सोचिये इस शख्स की मानसिकता कैसी है। यह शख्स किसी अन्य पार्टी में क्या भरोसे लायक है? यही हाल श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया का भी रहा है। पिता स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की आकस्मिक निधन के बाद मार्च 27 साल की उम्र में गुना सीट से उपचुनाव के लिए खुद सोनिया गांधी ने जिसका नामांकन पत्र भरवाया हो, उस शख्स को आज कांग्रेस की विचारधारा ही देश विरोधी लगने लगी है। यह तो इस का शख्स का कबूलनामा है कि वह स्वयं लंबे समय तक देश विरोधी विचारधारा वाली पार्टी में रहते हुए देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा। कांग्रेस से जितने भी राजे रजबाड़े पार्टी छोड़ भाजपा में गये हैं, सबकी कांग्रेस में खास अहमियत रही है और दस जनपथ का दरवाजा उनके लिए सदैव खुला रहता था। लोकसभा चुनाव आते आते कांग्रेस को कितने लोग अलविदा कहेंगे, कहना पर मामा! इस सभा हालात का दृश्य कह पाना मुश्किल है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस खुद को कहाँ खड़ा पायेगी? फिर भी आशा की एक किरण कश्मीर से आई है जहां विपक्षी एकता को लेकर फारस्ख अब्दुल्ला ने कहा है कि उम्मीद रखिये कि भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का एक मजबूत मोर्चा बनेगा, जरुर बनेगा! 2024 के लोकसभा चुनाव की सरगमियों के बीच एक ऐसे गैर कांग्रेस विपक्षी मोर्चा के प्रसव की भी चर्चा है जो इस निर्णय को लेकर कंप्यूट है कि वह चुनाव के दरम्यान किसके साथ हो? बताने की जरूरत नहीं है कि विपक्षी दलों के नेतृत्व के कुछ ऐसे चेहरे हैं जिन्होंने सत्ता में रहकर भारी संपत्ति बनाई है। कुछ चेहरे ऐसे भी हैं, कहने को उनके आगे पीछे भले न कोई हो लेकिन सत्ता में रहते उन्होंने भार्ड भतीजे को मालामाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जाहिर है आज की राजनीति के दौर में जब सत्ता के लिए ईडी, सीबीआई, आईटी का इस्तेमाल किया जा रहा हो तब ऐसे लोग सत्ता के खिलाफ किसी गठबंधन के साथ खुलकर कैसे आ सकते हैं? ऐसे लोगों को चूक जनता के समक्ष अपनी छवि भी चमकाये रखना है इसलिए यदा कदा, विपक्षी गठबंधन का राग अलापते रहते हैं।

उत्तराखण्ड के लोकसभा चुनाव रही और बायें अंश से लक्ष्मी का प्रकट्य हुआ। अतः ये गंगा आपको ही वरण करना चाहती है क्योंकि आपके महाभाग ब्रह्मा ने गंगा को भगवान श्रीविष्णु के पास बैठा दिया। फिर स्वयं श्रीहरि ने विवाह के नियमानुसार गंगा को ग्रहण कर लिया और वे उसके प्रियतम पति बन गए। जो गंगा पृथ्वी पर पधार चुकी की थी वह भी समय अनुसार अपने उस स्थान पर पुनः आ गई। भगवान के चरण कमलों से प्रकट होने के कारण गंगा जी विष्णुपदी नाम से प्रसिद्ध हुई। तब से गंगा मां को विष्णुपदी नाम से जाना जाने लगा। श्रीनारायण जी बोले - विष्णु जी के सान्निध्य में रहने वाली यही गंगा और सरस्वती अभिशप्त होकर भारत में नदी रूप में बहती है। इन नदियों का सेवन करने वाले इस जन्म में गुणी और विद्वान बनते हैं तथा मरणोपरान्त वैकुण्ठ प्राप्त करते हैं। प्रतिदिन गंगा में स्नान करने वाला गर्भवास के संकट से भी मुक्त हो जाता है। श्रीनारायण के इस कथन को सुनकर नारद जी ने अपनी उत्सुकता न रोक पाते हुए पूछा-देने दिव्य देवियों गंगा और सरस्वती का विवाद किस कारण से हुआ यह आप मुझे सुनाने की कृपा करे।

शिवराज चौहान जी!
आपके वादे अच्छे हैं

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर अक्सर विपक्षी खासकर कांग्रेस उन्हें घोषणावीर कहकर उनका मजाक उड़ाने का प्रयास करती है। चुनाव आने के पूर्व कभी ऐसा नहीं हुआ कि कांग्रेस ने उनकी घोषणाओं को लेकर सङ्कों पर बवाल न किया हो। किंतु जब आप शिवराज चौहान की घोषणा करने की नीयत को लेकर गहराई से पढ़ाताल करते हैं, तब यही निष्कर्ष निकलता है कि “न केवल मुख्यमंत्री शिवराज की घोषणाएं करने का अंदाज निराला है बल्कि वे बाद अच्छे हैं।” “आप विचार करें, अखिर मुख्यमंत्री की घोषणाओं को पूरा करने का कार्य किसका है? मुख्यमंत्री जो घोषणाएं करते हैं वे किसके लिए हैं? ऐसे में जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जब आरोप लगाते हैं कि शिवराज सिंह चौहान लगातार झूठी घोषणाएं कर रहे हैं, वे घोषणा और आश्वासन के नशे में हैं। इन दिनों प्रदेश में आश्वासन और घोषणाओं के मिशन पर वे निकले हुए हैं। तब अवश्य यह समीक्षा करने का विषय बन गया है। नियमानुसार जब मुख्यमंत्री कोई घोषणा करते हैं, उससे पहले संबंधित विभाग अपनी पूरी तैयारी करता है। वह मुख्यमंत्री को सही तथ्यों के अवगत कराता है और बताता है कि फलां कार्य किया जाना संभव है और फलां नहीं। फिर इन घोषणाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी भी विभागों की होती है। सरकार का कार्य है कि उसके लिए आवश्यक धन मुहैया कराये। बजट में योजना के अनुसार अर्थिक प्रावधान करे। यहां इस संदर्भ में आज मध्य प्रदेश में सरकार के कार्यों और मुख्यमंत्री

A portrait photograph of Dr. Ashutosh Kumar, the Vice-Chancellor of IIT Kanpur. He is a middle-aged man with dark hair, wearing glasses, a mustache, and a red tilak on his forehead. He is dressed in a dark suit jacket over a light-colored shirt.

ડા. મયક ચતુર્વેદી

1

शिवराज सिंह द्वारा
अपने चौथे कार्यकाल में
की गई रिकार्ड दो हजार
383 घोषणाओं में से 48
प्रतिशत को आज पूरा
किया जा चुका है।
1188 घोषणाएं ऐसी
चिह्नित की गई जिन पर

कार्य चल रहा

1

26

राजनीति

ई है। विचार कि-

सकत है कि याद य धाषणा ए हुड़ ही नहीं होती तो क्या यहां इतना कार्य जमीन पर साकार हो पाता ? मुख्यमंत्री शिवराज की धोषणाओं का यह तेज परिणाम ही है कि आर्थिक और वित्तीय दृष्टि से मध्य प्रदेश हर क्षेत्र में प्रगतिरत है। राजस्व संग्रहण और पूँजीगत व्यय में बुद्धि लगातार जारी है। प्रदेश की औद्योगिक विकास दर भी बढ़ी है। प्रदेश की आर्थिक वृद्धि दर अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2022-23 में 16.43 प्रतिशत रही ।

